This question paper contains 7 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

# 371

## B.A. (Programme)/II J

## (A)

## HINDI DISCIPLINE – Paper II

## हिन्दी अनुशासन – प्रश्न पत्र II

**(हिन्दी गद्य विधाएँ, उपन्यास और हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास)**

**(प्रवेश-वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)**

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

**टिप्पणी :** प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

करुणा अपना बीज अपने आलम्बन या पात्र में नहीं फेंकती है अर्थात् जिस पर करुणा की जाती है वह बदले में

करुणा करने वाले पर भी करुणा नहीं करता – जैसा कि क्रोध और प्रेम में होता है – बल्कि कृतज्ञ होता अथवा श्रद्धा या प्रीति करता है । बहुत-सी औपन्यासिक कथाओं में यह बात दिखाई गई है कि युवतियाँ दुष्टों के हाथ से अपना उद्धार करने वाले युवकों के प्रेम में फँस गई हैं । कोमल भावों की योजना में दक्ष बँगला के उपन्यास-लेखक करुणा और प्रीति के मेल से बड़े ही प्रभावोत्पादक दृश्य उपस्थित करते हैं ।

**अथवा**

यह बेचैनी एक हद तक उस बेचैनी से मिलती है, जो मुझे बहुत पहले मान और काफ़्का की कथाओं को पढ़ने से होती थी । आज सोचता हूँ, तो आश्चर्य होता है कि मैंने इस 'बेचैनी' को यूरोप आने से पूर्व कभी ठीक से समझने का प्रयत्न नहीं किया । यह आकस्मिक नहीं है कि दोनों लेखक मध्य-यूरोप के दो अलग-अलग भागों से सम्बन्धित थे – जर्मनी और चेकोस्लोवाकिया । यहाँ से गुजरते हुए पहली बार महसूस होता है कि यूरोप का यह खंड जिंदगी के उन अज्ञात, गोपनीय रहस्यों से गुंफित है, जिन्हें आज तक फ्रांस, इंग्लैंड या स्पेन ने स्पर्श नहीं किया है । **8**

(ख) मैं ही नहीं, उसके भाई, भौजाई, दादी आदि सम्बंधी भी जब कुछ निश्चिंत हो चुके, तब एक दिन अचानक सुना कि वह फिर नैहर लौट आई है । इतना ही नहीं, इस बार उसके कलंक की कालिमा और अधिक गहरी हो गई थी, पर मेरे पास वह कुछ कहने-सुनने नहीं आई । पता चला,

वह न घर का ही कोई काम करती थी और न बाहर ही निकलती । घर की उसी अंधेरी कोठरी में, जिसके एक कोने में गधे के लिए घास भरी थी और दूसरे में ईंधन कोयले का ढेर लगा था, वह मुँह लपेटे पड़ी रहती थी । बहुत कहने-सुनने पर दो कौर खा लेती, नहीं तो उसे खाने-पीने की भी चिंता नहीं रहती ।

**अथवा**

गंगी का विद्रोह दिल रिवाजी पाबंदियों और मजबूरियों पर चोट करने लगा – हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊँच हैं ? इसलिए कि ये लोग गले में तागा डाल लेते हैं ? यहाँ तो जितने हैं, एक से एक छंटे हुए हैं ? चोरी ये करें, जाल-फरेब ये करें, झूठे मुकदमें ये करें । अभी इस ठाकुर ने तो उस दिन बेचारे गडेरिए की एक भेड़ चुरा ली थी और बाद में मारकर खा गया । इन्हीं पंडित जी के घर में तो बारहों मास जुआ होता है । यही साहूजी तो घी में तेल मिलाकर बेचते हैं । काम करा लेते हैं, मजूरी देते नानी मरती है । किस बात में हैं हमसे ऊँचे, हाँ मुँह में हमसे ऊँचे हैं । हम गली-गली चिल्लाते नहीं कि हम ऊँचे हैं । हम ऊँचे ! कभी गाँव में आ जाती हूँ, तो रसभरी आँखों से देखने लगते हैं । जैसे सबकी छाती पर साँप लोटने लगता है, परंतु घमंड यह कि हम ऊँचे हैं ! 8

2. (क) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) गजाधर बाबू को परिवार से अलग क्यों रहना पड़ा ?

(ii) भारतीय संस्कृति में अशोक वृक्ष का क्या महत्त्व है ?

(iii) करुणा और वियोग में क्या अन्तर है ?

(iv) 'होस्पोदा' क्या है ?

(v) लेखिका के मन में बिबिया और उसके भाई की याद क्यों आई ?

(vi) लेखक ने मनुष्य पूजा को ईश्वर पूजा क्यों कहा है ?

(vii) 'सूखी-डाली' में संयुक्त परिवार टूटने का क्या कारण बताया है ?

(viii) 'बच्चन की आत्मकथा' में श्यामा की मृत्यु के बाद बच्चन की मन:स्थिति का वर्णन कीजिए ।

(ix) भोलाराम के जीव ने स्वर्ग जाने से इंकार क्यों कर दिया ? **4 × 4 = 16**

(ख) किन्हीं **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(i) शकलदीप अपने बड़े पुत्र नारायण से क्यों खफ़ा थे ?

(ii) 'अशोक-कल्प' के अनुसार अशोक के फूल कितने प्रकार के होते हैं ?

(iii) 'तूफ़ानों के बीच : अदम्य जीवन' नामक निबंध में बंगाल के किस क्षेत्र में अकाल की विभीषिका के दर्शन हुए हैं ?

(iv) पत्नी ने गजाधर बाबू के साथ जाने से क्यों मना कर दिया ?

(v) दमड़ी को किस दिन और कितने पैसों में उसकी माँ ने खरीदा ?

(vi) बच्चन के पुरखे कहाँ से आए और कहाँ आकर बसे । 'बच्चन की आत्मकथा' के आधार पर उत्तर दीजिए । **3**

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) जालपा आजकल प्राय: सारे दिन उसी के साथ रहती । शोकातुर रतन को न घर-बार की सुधि थी, न खाने-पीने की । नित्य ही कोई-न-कोई ऐसी बात याद आ जाती, जिस पर घण्टों रोती । पति के साथ उसका जो धर्म था, उनके एक अंश का भी उसने पालन किया होता, तो उसे बोध होता । अपनी कर्त्तव्य हीनता, अपनी निष्ठुरता, अपनी शृङ्गार-लोलुपता की चर्चा करके वह इतना रोती कि हिचकियाँ बँध जातीं । वकील साहब के सद्‌गुणों की चर्चा करके ही अपनी आत्मा को शान्ति देती । जब तक जीवन के द्वार पर एक रक्षक बैठा हुआ था, उसे किसी कुत्ते या बिल्ली, चोर-चकोर की चिन्ता न थी, लेकिन अब द्वार पर कोई रक्षक न था, इसलिए वह सजग रहती थी – पति का गुणगान किया करती । (गबन)

(ii) देवीदीन के चले जाने के बाद रमा देर तक आनन्द कल्पनाओं में मग्न बैठा रहा । जिन भावनाओं को कभी उसने अपने मन में आश्रय न दिया था, जिनकी गहराई और विस्तार और उद्वेग से वह इतना भयभीत था कि उनमें फिसलकर डूब जाने के भय से चंचल मन को उधर भटकने भी न देता था, उसी अथाह और अछोर कल्पना-सागर में वह आज स्वच्छन्द रूप से क्रीड़ा करने लगा । उसे अब एक नौका मिल गयी थी । वह त्रिवेणी की सैर, वह अल्फ्रेड पार्क की बहार, वह खुसरोबाग का आनन्द, वह मित्रों के जलसे, सब याद आ-आकर हृदय को गुदगुदाने लगे । (गबन)

(iii) फिर धीरे से उठा और बाहर आ गया, अपमानित सा, आहत सा । तो उसकी इच्छा से भी ज्यादा ज़रूरी काम ममी के पास है । कॉलेज की बात कॉलिज में कर लेतीं, घर में तो कम से कम उसकी बात ही माननी चाहिए । वह तो कब से सोच रहा था कि शाम को दीपा आंटी का गाना सुनेगा फिर अपनी कविताएँ सुनाएगा, चुटकले सुनाएगा, पहेली पूछेगा । ऐसी-ऐसी पहेलियाँ उसे आती हैं कि कोई बता ही नहीं सकता । लड़कियों को पढ़ाना आसान है, पहेली क्या हर कोई बता सकता है ? पर अब कुछ नहीं ..... ममी को ऐसे तो नहीं करना चाहिए था न ? और न चाहते हुए भी ममी को लेकर जाने कितना-कितना गुस्सा मन में उफनने लगा । (आप का बंटी)

(iv) जो होना था सो तो हो ही गया, और चलो अच्छा ही हुआ । सारी ज़िंदगी उस तनाव में काटने की अपेक्षा तो उससे मुक्त होना लाख गुना अच्छा था । यह कानूनी कार्यवाही हो जाएगी सो भी अच्छा ही रहेगा । यह संबंध ही ऐसा है कि लाख लड़ भिड़ लो, अलग रहने लगो, पर कहीं न कहीं आशा का एक तंतु जुड़ा ही रह जाता है । वह आशा चाहे ज़िंदगी-भर पूरी न हो .... होती भी नहीं है .... फिर भी मन है कि इधर-उधर नहीं जाता, बस उसी में अटका रह जाता है । (आपका बंटी) **8**

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(i) 'गबन' की ज़ोहरा की चारित्रिक विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए ।

(ii) 'गबन' उपन्यास की मूल समस्या पर प्रकाश डालिए ।

(iii) 'आपका बंटी' में लेखिका किस समस्या पर प्रकाश डालना चाहती है ?

(iv) 'आपका बंटी' में 'बंटी' की मन:स्थिति का विश्लेषण कीजिए । **12**

5. हिन्दी कहानी के क्रमिक विकास का परिचय दीजिए ।

**अथवा**

हिन्दी एकांकी का संक्षिप्त परिचय लिखिए । **10**

6. हिन्दी में यात्रा-साहित्य के विकास का परिचय दीजिए ।

**अथवा**

हिन्दी में व्यंग्य विधा का विकास किस प्रकार हुआ, विवेचन कीजिए । **10**

---